KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

BY - AJEET SIR

7.भारत में एल-नीनों और दक्षिण पश्चिम मानसून के बीच संबधों की व्याख्या करे और उसके कृषि पर प्रभाव बताइए

Discuss the relationship between El-neno and south west monsoon in India and its effects on Agriculture.

Introduction

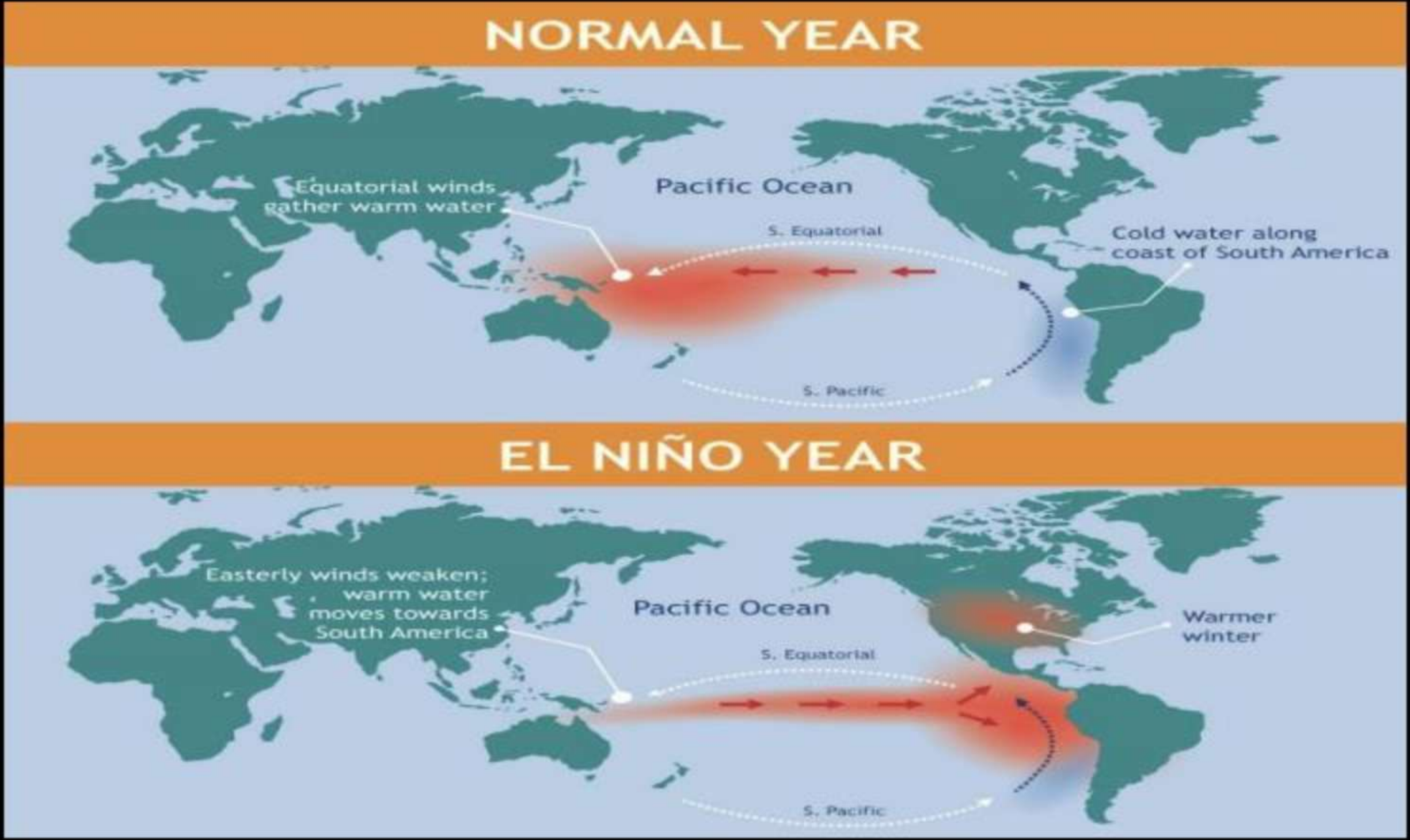
NORMAL YEAR
Equatorial winds gather warm water
Pacific Ocean
S. Equatorial
Cold water along coast of South America
S. Pacific
EL NIÑO YEAR
Easterly winds weaken; warm water moves towards South America
Pacific Ocean
S. Equatorial
Warmer winter
S. Pacific

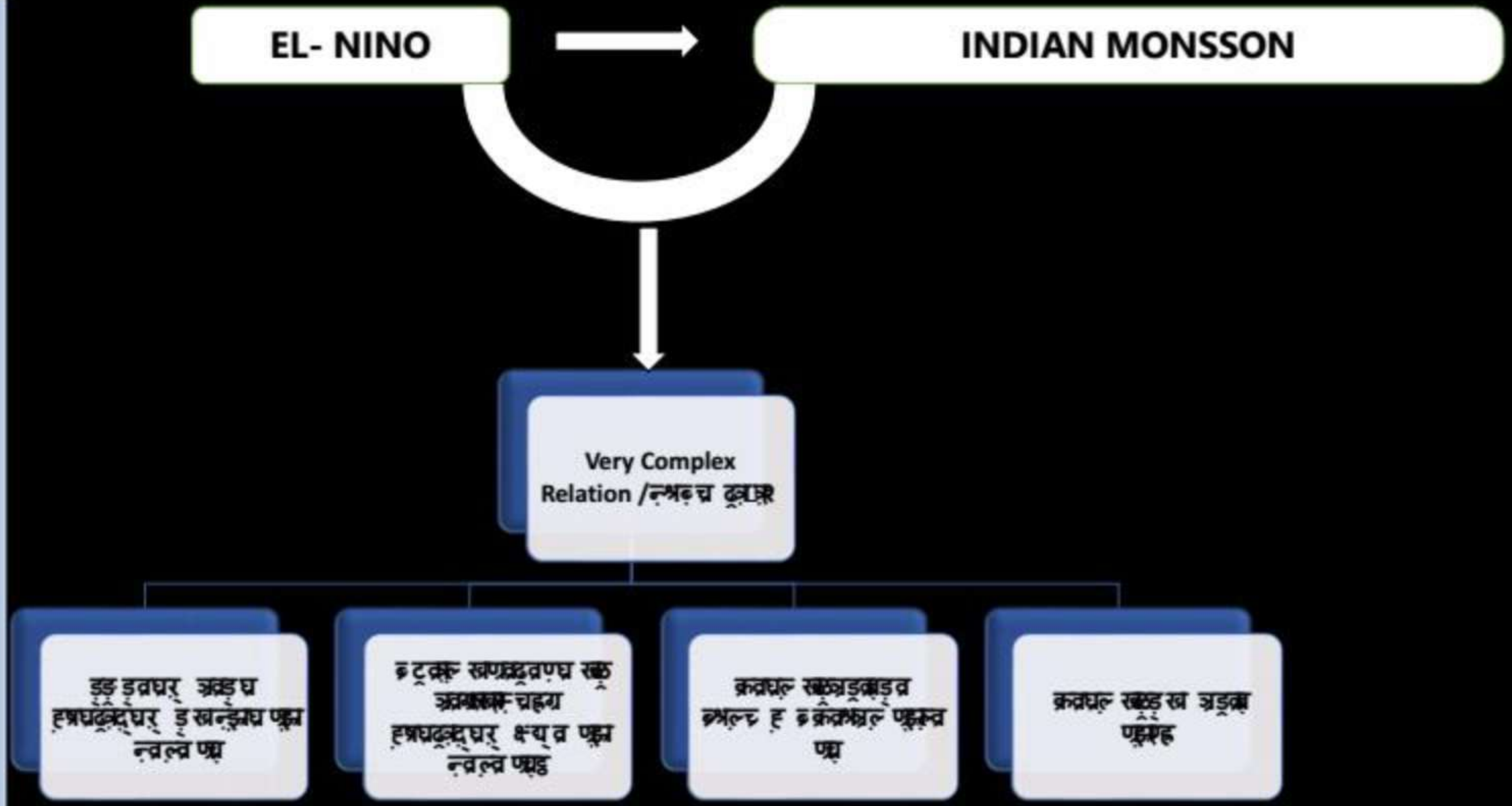
EL- NINO
INDIAN MONSSON
Very Complex
Relation /

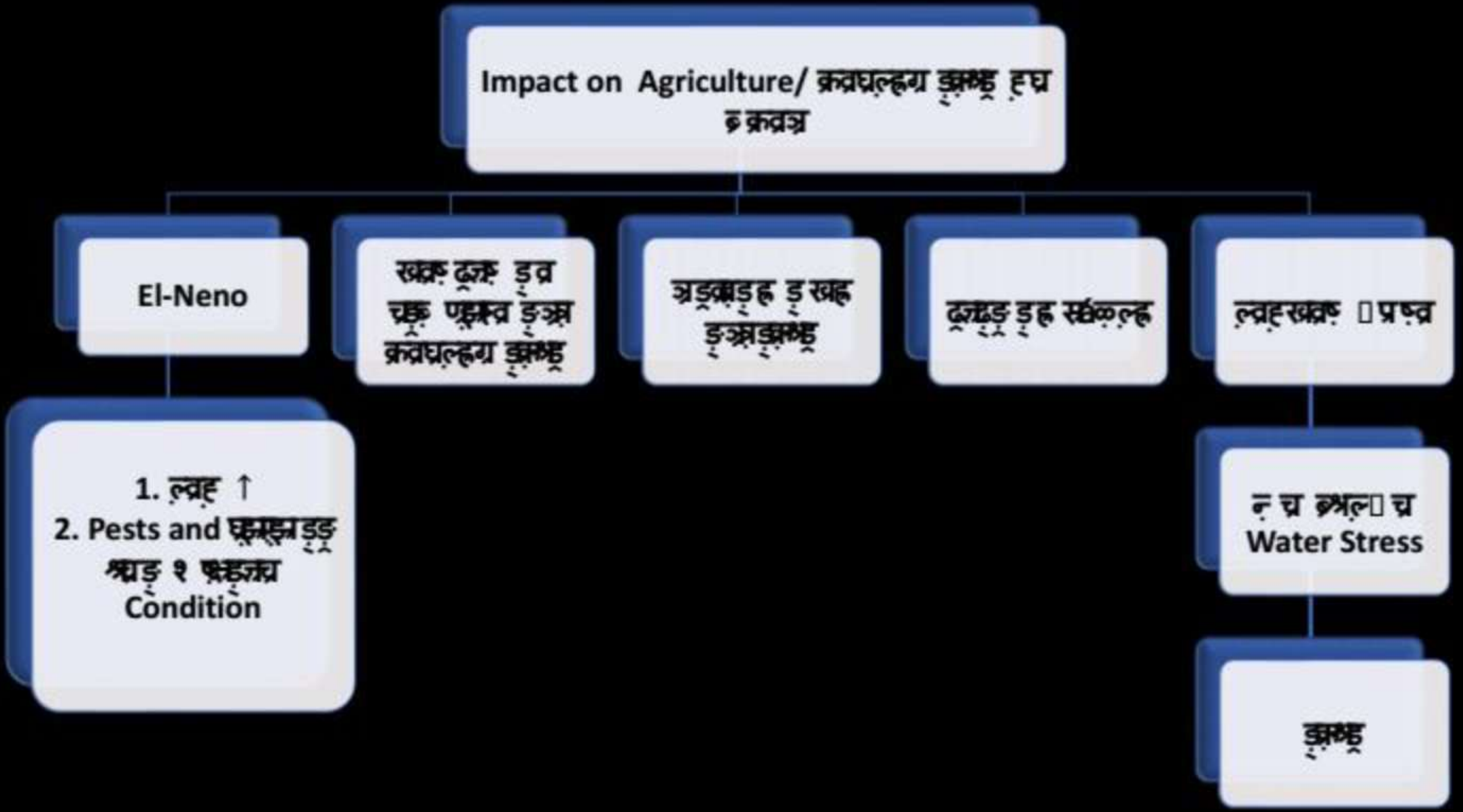
Impact on Agriculture/
El-Neno
1.
2. Pests and
Condition
Water Stress

Conclusion
Mitigation
Adaptation
ढ्घ्रड़्व्रघ्र
ङ्क्रह्ड़्

UP PCS - Mains - Paper Discussion

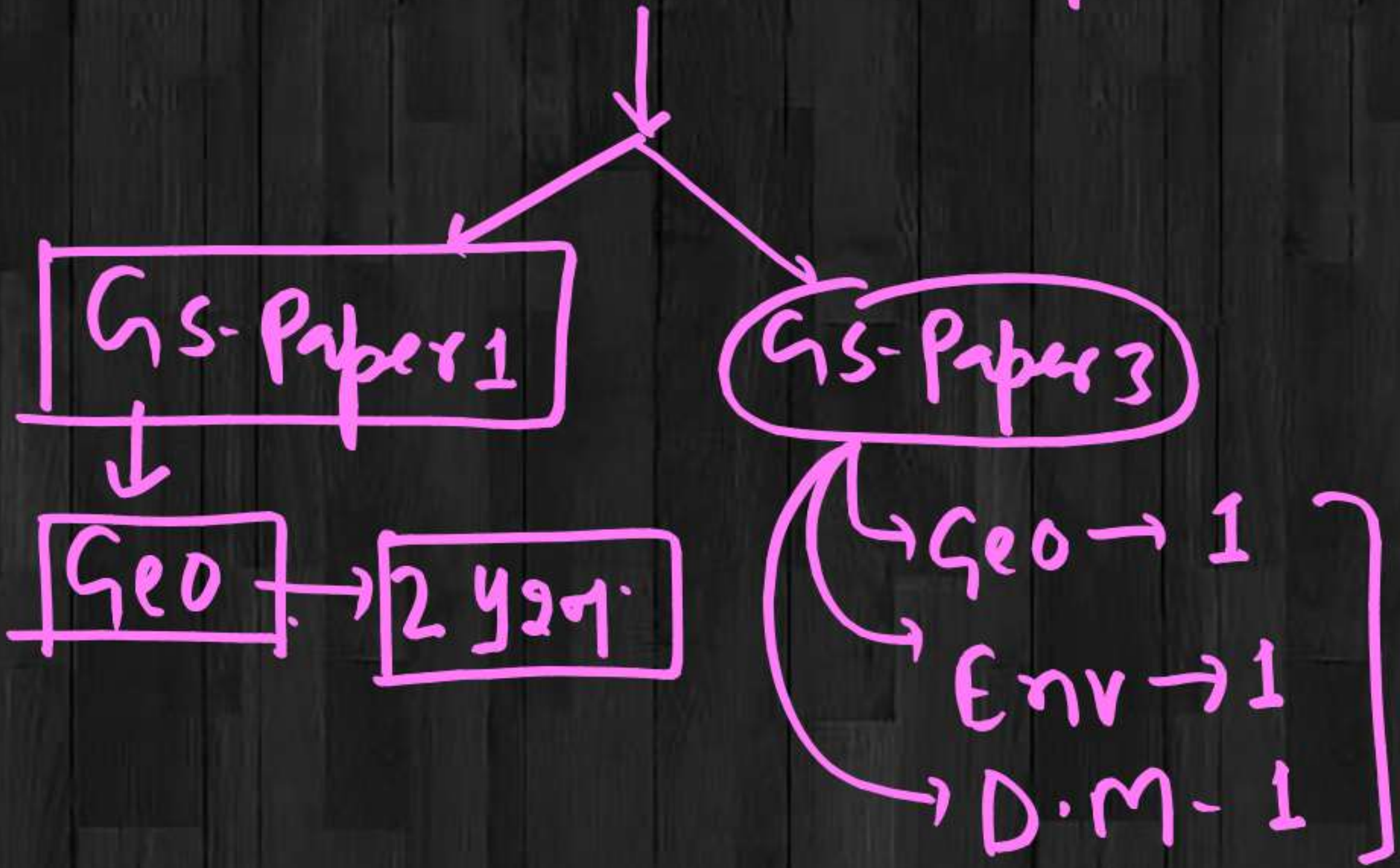

Temperate cyclone

शीतोष्ण चक्रवात

वैसे चक्रवात जो दोनो गो० में शीतोष्ण कटिबंधीय प्रदेशों में विकसित होते है उन्हें शीतोष्ण चक्रवात कहा जाता है।

8.शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवात पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। यह भारत को कैसे प्रभावित करता है ।

Write a short note on temperature cyclone. How it affects India? 12 Marks

Introduction

Central Part

शीतोष्ण चक्रवात

Temperate Cyclone

समशीतोष्ण चक्रवात/Temperate Cyclone

extra Tropical Cyclone

- 35° - 65° latitude
- Both Hemisphere
- It is known as extra Tropical cylone

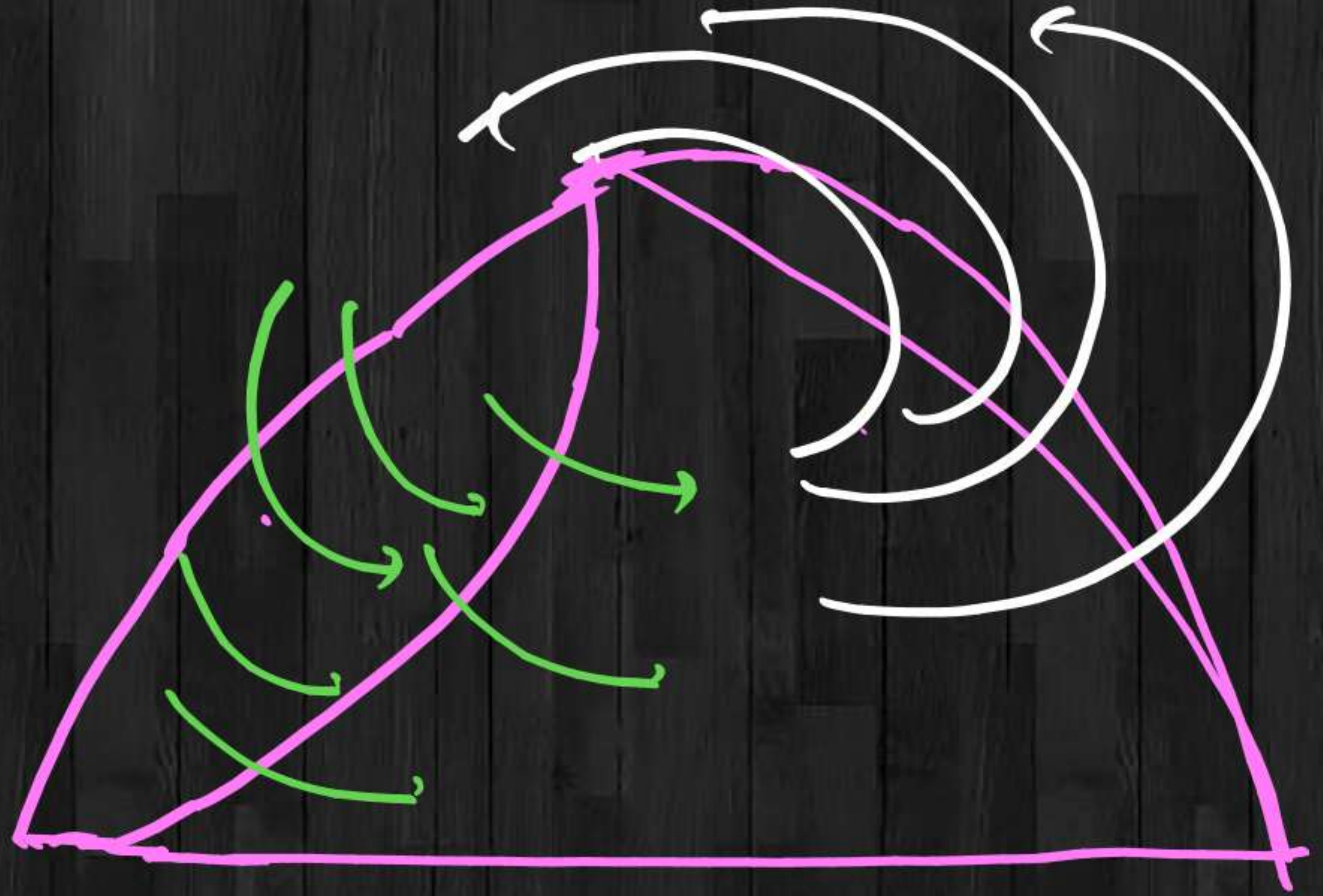

Temperate cyclone.

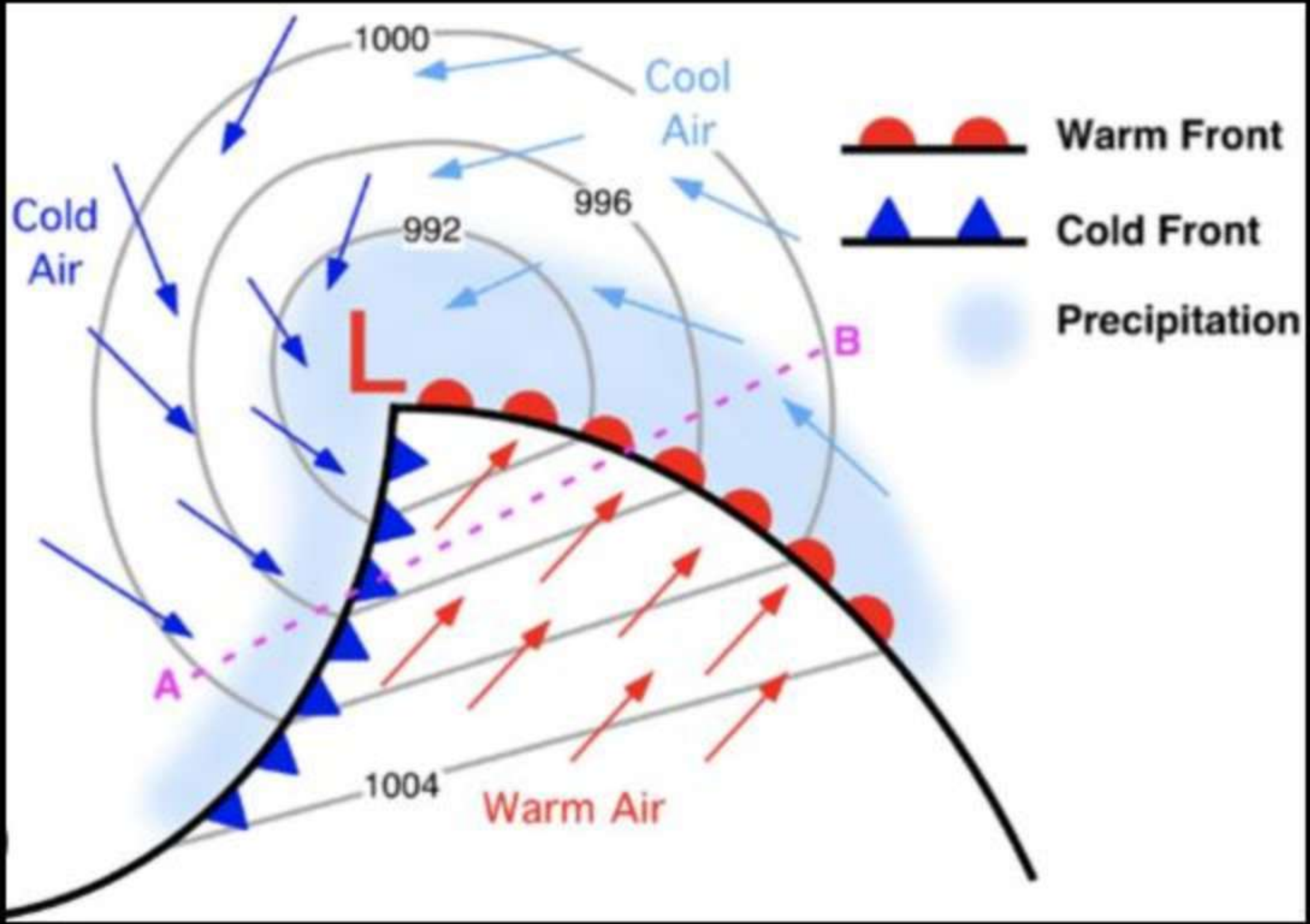
1000
Cool
Air
Cold
Air
996
992
L
B
A
1004
Warm Air
Warm Front
Cold Front
Precipitation

Formation/विकास

(1) वाताग्र के विकास के कारण ये चक्रवात विकसित होते हैं

(1) उष्ण वायुराशि → ← शीत वायुराशि

(2)

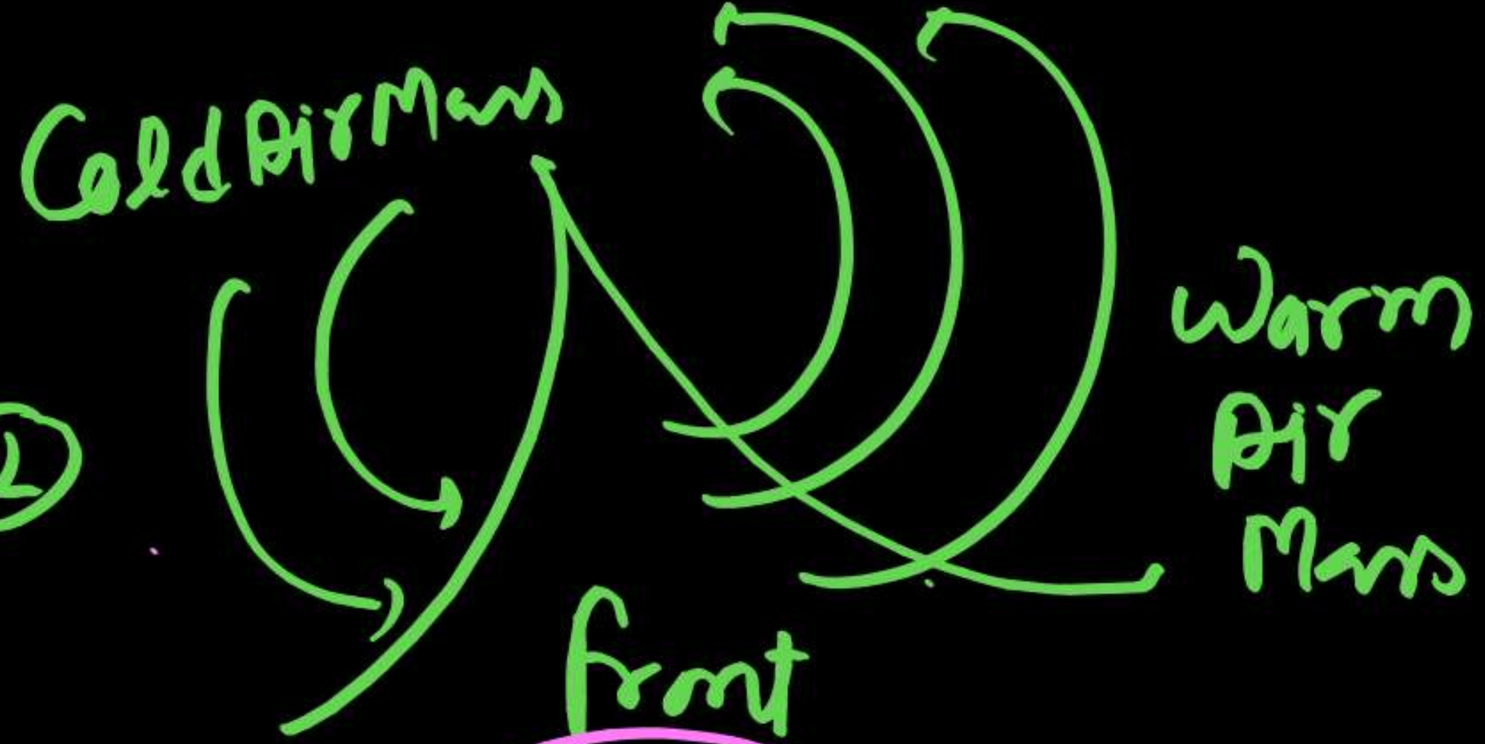

(3)

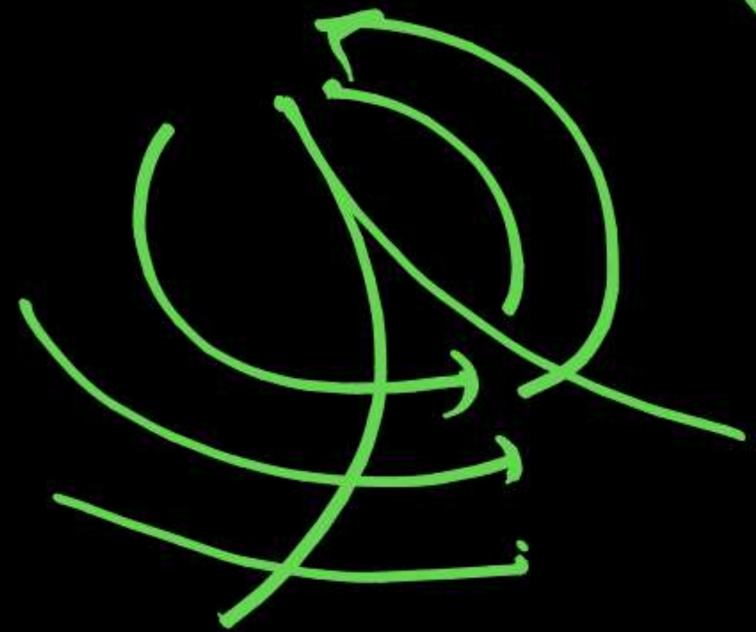

(4)

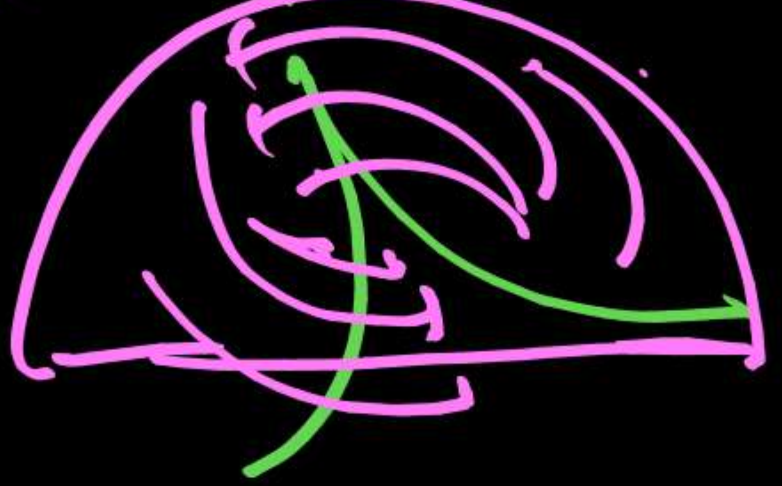

Characteristics /विशेषतायें

→ Both hemisphere.

→ वाताग्र के विकास के कारण निर्मित

→ Land water दोनों पर

→ उत्पत्ति के बाद पहले चक्रवात West to east की तरफ गति

→ 35-65° Latitude.

→ इसके कारण कपासी बादल.

⇒ सूर्य चन्द्रमा के चारों तरफ आभामंडल

⇒ धीरे-धीरे लंबे समय तक वर्षा.

- **Temperate cyclone and India**
  ट्रहत्ङ्मM द्ड्ड्रव्ल् ल्व्र क्रवघ्ल्
  - Rainfall ञ्ड्क्र
    - क्रक्ये ढ्वण्घ्र ह्घ्र श्वड्श्वढ्ल्
  - ल्वह्खव्र खक्
    ह्रघ्रत्क्
    - ञ्वल्वड्
      - क्षM
      - ट्रहल्
  - श्वन् च्रह द्खड् ष्व्र
  - Agriculture/ड्रुष्
  - Winter storm
    - श्रुखक्चग्र क्ष्ट्ट खक्
      श्रुखह्वल्

2nd Part: <u>Temperate cyclone and India:</u>

शीतोष्ण चक्रवात का भारत पर प्रभाव:

Temperate cyclone → winter season → <u>भारत को प्रभावित करता है:</u>

Temperate cyclone → **front:** (वाताग्र के कारण:) ⟹

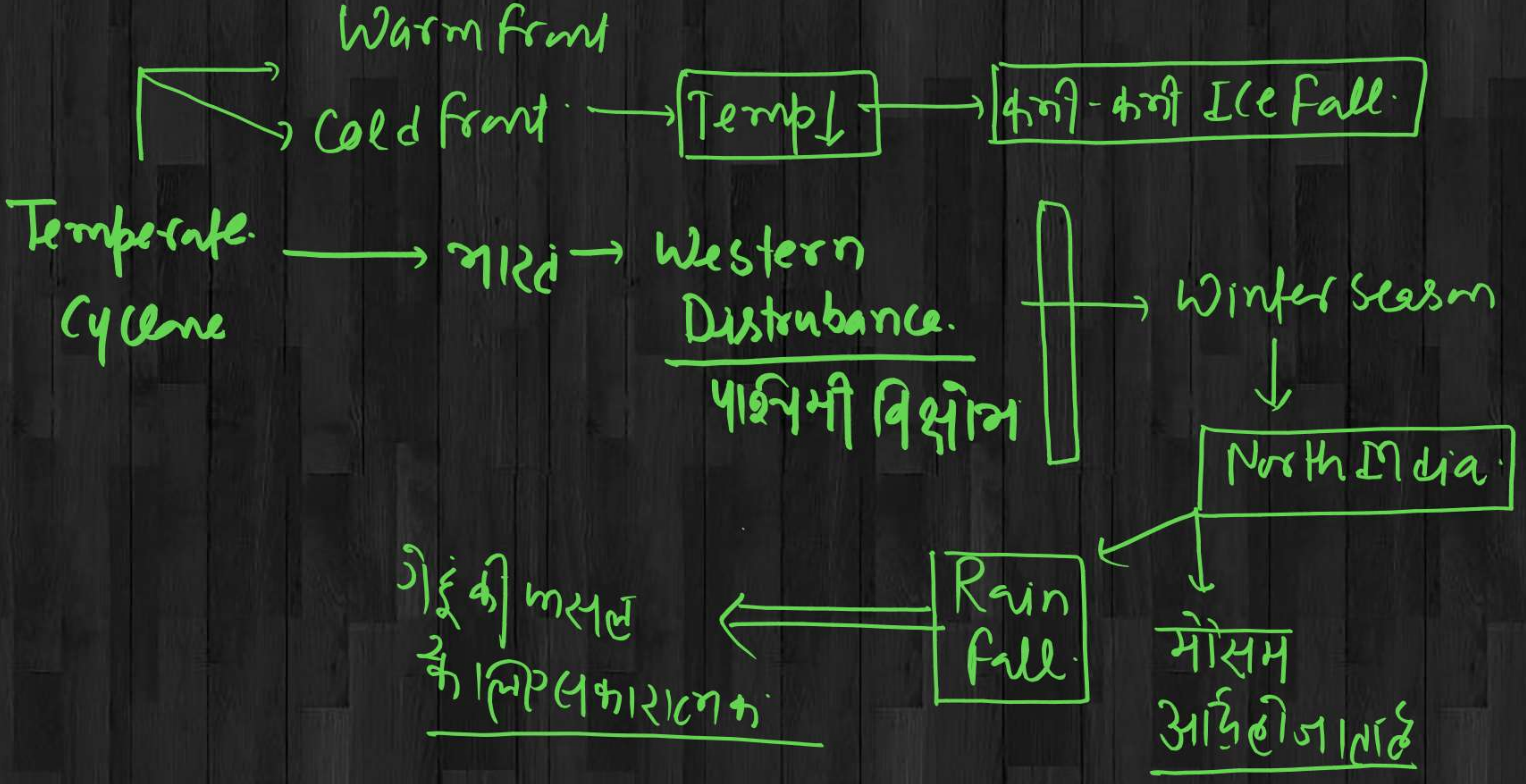
Warm front
Cold front
Temp↓
कभी-कभी Ice Fall
Temperate Cyclone
भारत
Western Disturbance
पश्चिमी विक्षोभ
Winter season
North India
Rain fall
मौसम आर्द्र हो जाता है
गेहूं की फसल के लिए लाभकारात्मक

Conclusion

9.भारत की खनिज विकास नीति की व्याख्या कीजिए।
Discuss India's Mineral development policy.

Introduction

भारत खनिजों के दृष्टिकोण से एक संपन्न राष्ट्र है। खनिजों के दोहन एवं संरक्षण हेतु केन्द्रीय मंत्रीमंडल ने राष्ट्रीय खनिज-नीति 2019 को मंजूरी दी है ।

खनिज/Minerals → धात्विक Metallic, Non-Metallic

↓ राष्ट्र के विकास की नींव होते हैं

खनिजों के दृष्टिकोण से एक समृद्ध राष्ट्र है। ← India

National Mineral Policy → 2019.

- Characteristics.
- लाभ.

लाभ

- नई राष्ट्रीय खनिज नीति अधिक प्रभावी विनियमन सुनिश्चित करेगी।
- यह परियोजना प्रभावित व्यक्तियों विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के मुद्दों का समाधान करने के साथ ही भविष्य में सतत् खनन क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देगी।

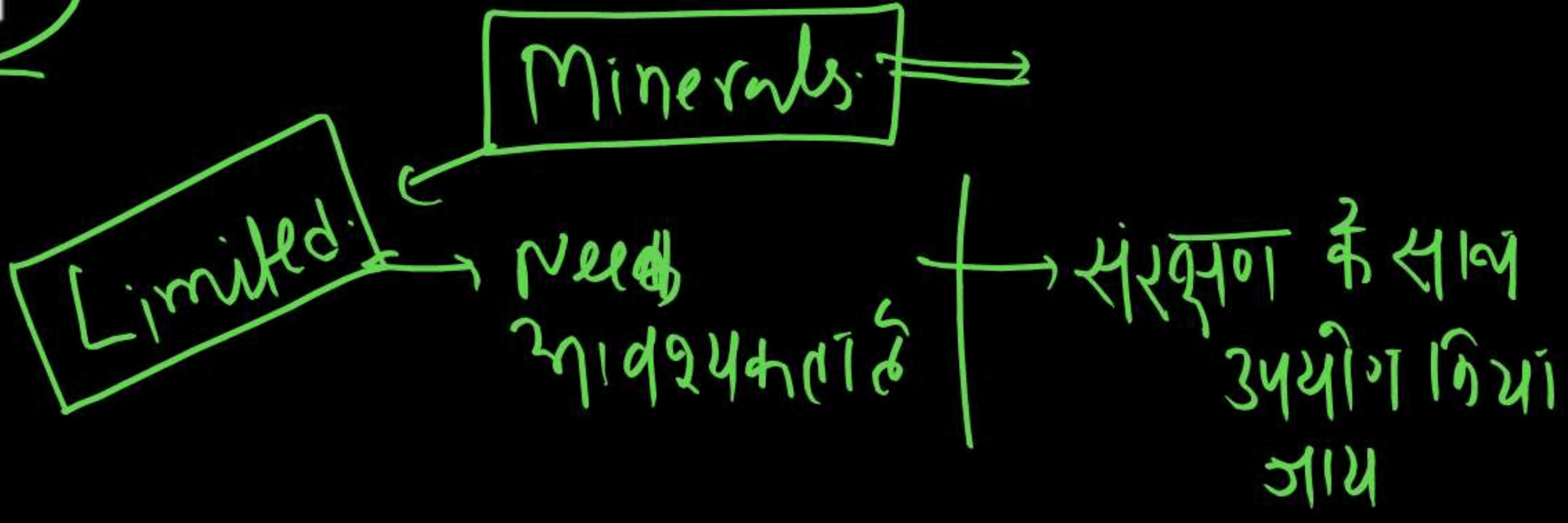

खनन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रीय खनिज नीति 2019 में शामिल प्रावधान :

- RP/PL धारकों के लिये पहले इनकार करने के अधिकार (Right of First Refusal) को लागू करना।
- निजी क्षेत्रों को अन्वेषण के लिये प्रोत्साहित करना।
- राजस्व शेयर आधार पर समग्र RP (Reconnaissance Permit) सह PL (Prospecting License) सह ML (Mining Lease) के लिये नए क्षेत्रों में नीलामी ।
- खनन संस्थाओं के विलय और अधिग्रहण को प्रोत्साहन ।
- निजी क्षेत्र के खनन क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिये खनन पट्टों का हस्तांतरण और समर्पित खनिज गलियारों का निर्माण।

Minerals corridor

लाभ

- राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 में निजी क्षेत्रों में खनन के वित्तपोषण को बढ़ावा देने और निजी क्षेत्रों द्वारा अन्य देशों में खनिज संपत्ति के अधिग्रहण के लिये खनन गतिविधियों को उद्योग का दर्जा देने का प्रस्ताव किया गया है।
- इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि खनिज के लिये दीर्घकालिक आयात नीति से निजी क्षेत्र को व्यापार हेतु बेहतर योजना तैयार और व्यापार में स्थिरता लाने में मदद मिलेगी।
- नीति में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को दिये गए आरक्षित क्षेत्रों जिनका उपयोग नहीं किया गया है, को युक्तिसंगत बनाने और इन क्षेत्रों को नीलामी हेतु रखे जाने का भी उल्लेख किया गया है, जिससे निजी क्षेत्र को भागीदारी के अधिक अवसर प्राप्त होंगे।
- इस नीति में निजी क्षेत्र की सहायता करने के लिये वैश्विक मानदंड के साथ कर, प्रभार और राजस्व के बीच सामंजस्य बनाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया गया है।

GS-Paper-III

- → Geo
- → Env
- → D.M

10.ब्लडमून किसे कहते है। यह कब होता है ? → 8 Marks

What is blood Moon ? When it happens ?

Introduction

Blood Moon → Lunar Eclipse

↓

एक घटना है
Incident

चन्द्रग्रहण

ऐसी घटना है जिसमें सूर्य एवं चन्द्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है

Blood Moon

- चन्द्रग्रहण के समय
- पूर्ण चन्द्र ग्रहण के समय कभी कभी चन्द्रमा गहरा लाल दिखाई देता है

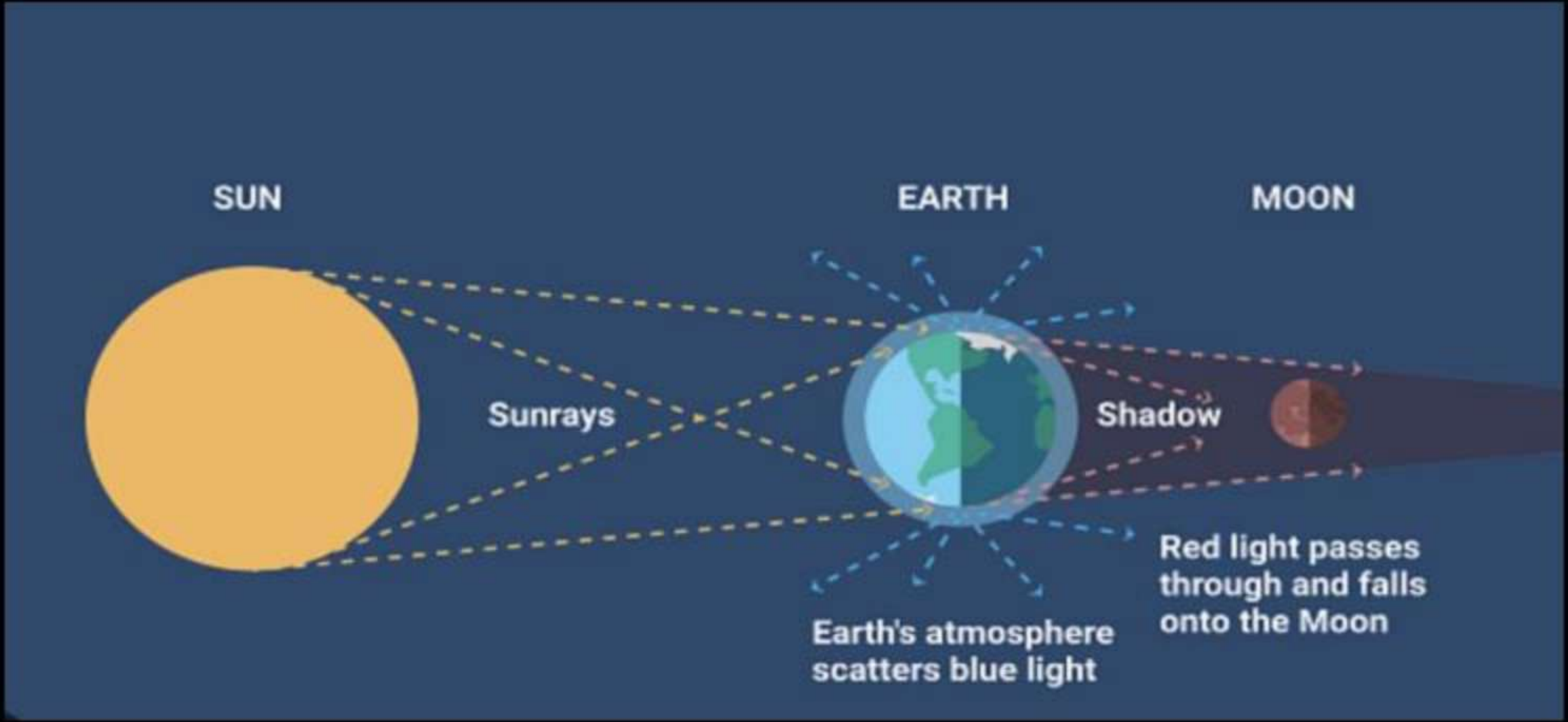
SUN
EARTH
MOON
Sunrays
Shadow
Red light passes through and falls onto the Moon
Earth's atmosphere scatters blue light

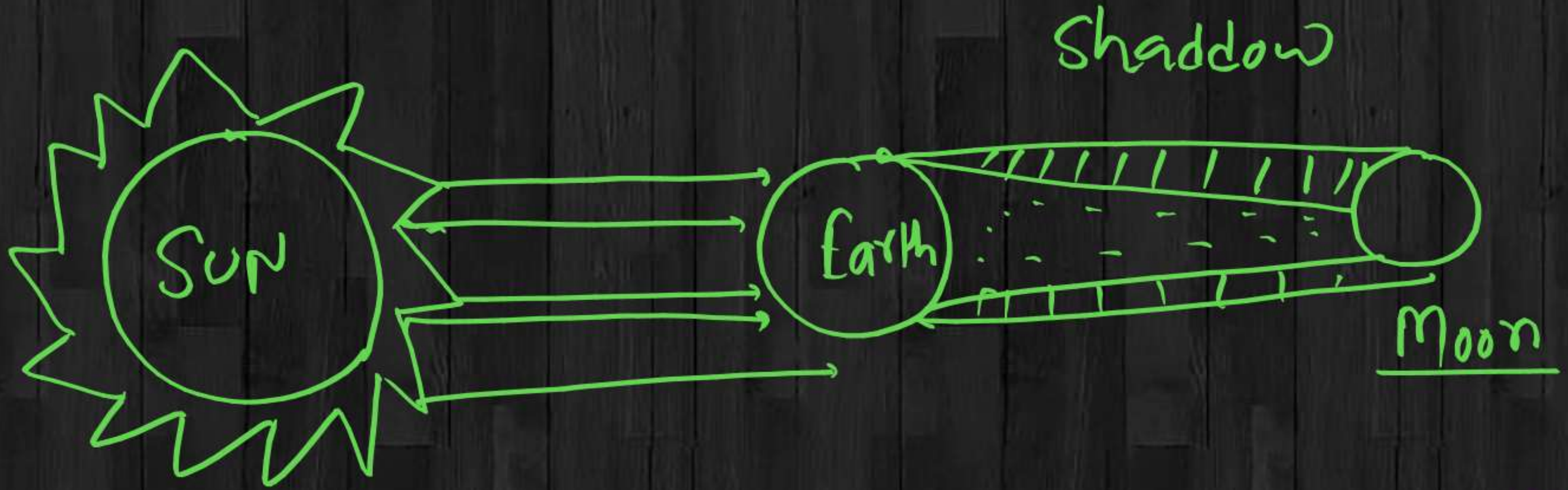

LUNER ECLIPSE → पूर्णिमा

जब कभी सूर्य, पृथ्वी तथा चन्द्रमा का केन्द्र बिल्कुल एक सीध में होता है

चन्द्रग्रहण

→ पूर्ण चन्द्रग्रहण ⇒ Blood Moon

पूर्ण चन्द्र ग्रहण → के समय
↓
पृथ्वी बिल्कुल सूर्य एवं चन्द्रमा के बीच में होती है

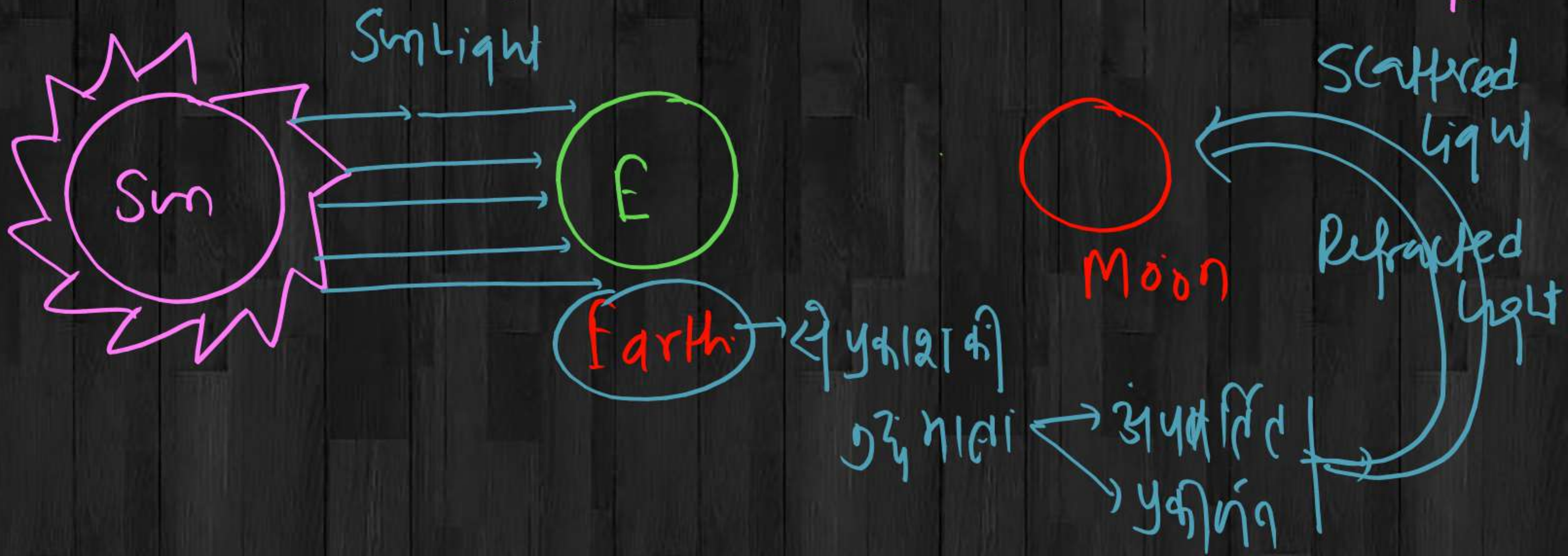

Blood Moon कैसे होता है

When Blood Moon Occurs /Blood Moon कब होता है

- पूर्ण चन्द्रग्रहण
  - चन्द्रमा लाल या भूरे रंग
- आखिरी blood Moon 26 May 2021
- पूर्ण चन्द्रग्रहण के समय चन्द्रमा पृथ्वी की छाया में रहता है।
  - Morning
  - Evening
  - चन्द्रमा को पृथ्वी के किनारों से प्रकाश प्राप्त होता है(Due to Scattering)
  - चन्द्रमा का लाल रंग
  - Blood Moon

11. सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारत में किये जा रहे प्रयासों का वर्णन कीजिए। 12 Marks

Describe the various efforts being made in India to achieve the "Sustainable Development goals."

→ Environment and Ecology

Central Part
→ Question → किसके बारे → Sustainable Development सतत विकास
→ Answer → Sustainable Development
→ SDG → 17
→ India के प्रयास

संपोषणीय विकास
(Sustainable Development)

- सतत विकास को वर्ष 1987 में 'हमारा साझा भविष्य' (Our Common Future) नामक रिपोर्ट में परिभाषित किया गया है, इसे द ब्रंटलैंड रिपोर्ट (The Brundtland Report) भी कहते हैं। इस प्रकार-'सतत विकास वह विकास है, जो भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा करने वाले संसाधनों से समझौता किए बिना वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करता है। "
- "Sustainable development is a development that meets the needs of the present without compromising the ability of the future generations to meet their own needs".

Resources

संसाधन

→ Limited

Needs

↓

Unlimited

आज की पीढ़ी → आवश्यकता Needs

→ को पूरा करने के लिए → संसाधन का उपयोग

आने वाली पीढ़ी (Future Generation)

↓

भावी पीढ़ी

→ आवश्यकताओं से समझौता किए बिना

Future Generation → अपनी आवश्यकता Needs

सतत विकास लक्ष्य
(Sustainable Development Goals)

- सतत विकास लक्ष्यों को वैश्विक लक्ष्य (Global Goals) के रूप में भी जाना जाता है। इन्हें वर्ष 2015 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्यों द्वारा अपनाया गया।

- इन सभी लक्ष्यों को वर्ष 2030 तक पाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, ताकि सभी लोग शांति और समृद्धि का आनंद उठा सकें।

- सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता को सतत विकास के रूप में सुनिश्चित करने हेतु 17 सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जो निम्नलिखित हैं-

सतत विकास लक्ष्य
(Sustainable Development Goals)

- शून्य गरीबी (Zero Poverty) शून्य भुखमरी (Zero Hunger)
- योग उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली (Good Health and Well-being)
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (Quality Education) लैंगिक समानता (Gender Equality)
- स्वच्छ जल और स्वच्छता (Clean Water and Sanitation)
- सस्ती और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा (Affordable and Clean Energy)
- उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि (Decent work and Economic Growth)
- उद्योग, नवाचार और बुनियादी सुविधाएं (Industry, Innovation and infrastructure)

सतत विकास लक्ष्य
(Sustainable Development Goals)

- असमानताओं में कमी (Reduced Inequalities)
- संवहनीय शहर और समुदाय (Sustainable Cities and Communities)
- संवहनीय उपभोग और उत्पादन (Responsible Consumption and Production)
- जलवायु कार्यवाही (Climate Action)
- जलीय जीवों की सुरक्षा (Life Below Water)
- स्थलीय जीवों की सुरक्षा (Life on Land)
- शांति, न्याय और सशक्त संस्थाएं (Peace, Justice and Strong Institutions)
- लक्ष्य हेतु भागीदारी (Partnerships for the Goals)

SDG

Sustainable Development Goal → प्राप्त करने हेतु भारत के द्वारा किये जानेवाले प्रयास

जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों की प्राप्ति में भारत की प्रगतिः

- भारत ने वर्ष 2020 से पहले के अपने स्वैच्छिक लक्ष्य को हासिल कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के तहत कोई बाध्यकारी दायित्व नहीं होने के बावजूद, वर्ष 2009 में भारत ने वर्ष 2005 के स्तर की तुलना में वर्ष 2020 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 20-25% तक कम करने के अपने स्वैच्छिक लक्ष्य की घोषणा की।
- भारत ने वर्ष 2005 और 2016 के बीच अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में 24% की कमी की है।
- पेरिस समझौते के अनुसार, भारत ने वर्ष 2015 में UNFCCC में अपना राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) प्रस्तुत किया, जिसमें वर्ष 2021-2030 की अवधि के लिये आठ लक्ष्यों की रूपरेखा को शामिल किया गया है, ये हैं

- अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक 33 से 35% तक कम करना।
- वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 40% संचयी विद्युत शक्ति स्थापित क्षमता प्राप्त करने के लिये हरित जलवायु कोष (GCF) सहित प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और कम लागत वाली अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सहायता प्राप्त करना।
- वर्ष 2030 तक अतिरिक्त वन और वृक्षों के आवरण के माध्यम से 2.5 से 3 बिलियन टन CO_2 के बराबर अतिरिक्त कार्बन सिंक का निर्माण करना।

जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों की प्राप्ति में भारत की प्रगतिः

- अन्य लक्ष्य स्थायी जीवनशैली से संबंधित हैं; जलवायु के अनुकूल विकास पथ, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, जलवायु वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण।
- जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिये भारत की हालिया पहल (और इस तरह सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करना)- वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो, हरित ऊर्जा संक्रमण आदि ।

2070 → Net zero

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना (NAPCC):

उपर्युक्त लक्ष्यों के अलावा, भारत सरकार जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना को भी लागू कर रही है जो शमन और अनुकूलन सहित सभी जलवायु कार्यों के लिये एक व्यापक नीतिगत ढाँचा प्रदान करती है।

- ❖ इसमें सौर ऊर्जा के विशिष्ट क्षेत्रों में आठ मुख्य मिशन शामिल हैं- ऊर्जा दक्षता में वृद्धि, स्थायी आवास, जल, हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र, हरित भारत, स्थायी कृषि और जलवायु परिवर्तन के लिये रणनीतिक ज्ञान ।
- ❖ 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने NAPCC के उद्देश्यों के अनुरूप जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्ययोजना (SAPCC) तैयार की है।
- ❖ भारत के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अनुकूलन गतिविधियों को राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कोष (NAFCC) के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है।
- ❖ NAFCC को प्रोजेक्ट मोड में लागू किया गया है और अब तक 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में NAFCC के तहत 30 अनुकूलन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

12.प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं में अंतर स्पष्ट करे । साथ ही भारत में आपदा प्रबंधन प्रणाली की प्रभावशीलता स्पष्ट करें।

Distinguish between Natural and Man Made disaster. Also elucidate the effectiveness of the disaster Management system in India.

12 Marks.

Introduction

Disaster / आपदा

- प्राकृतिक/ Natural
- मानवीय/ Manmade

आपदा

Main Part → Disaster

Que → Two Part

First Part (6 Marks) → Difference between Natural and Man Made disaster

2nd Part (6 Marks) → भारत में आपदा प्रबंधन की प्रभावशीलता

Disaster / आपदा

कोई भी घटना | Incident

Natural
- Earthquake
- Volcano
- Flood
- Cyclone

Man Made
- परमाणु बम का विस्फोट
- युद्ध
- दंगे

यदि यह मानव समाज को व्यापक स्तर पर नकारात्मक रूप में प्रभावित करती है तथा मानवीय जीवन अस्त व्यस्त हो जाता है एवं इसका प्रभाव लंबे समय तक रहता है

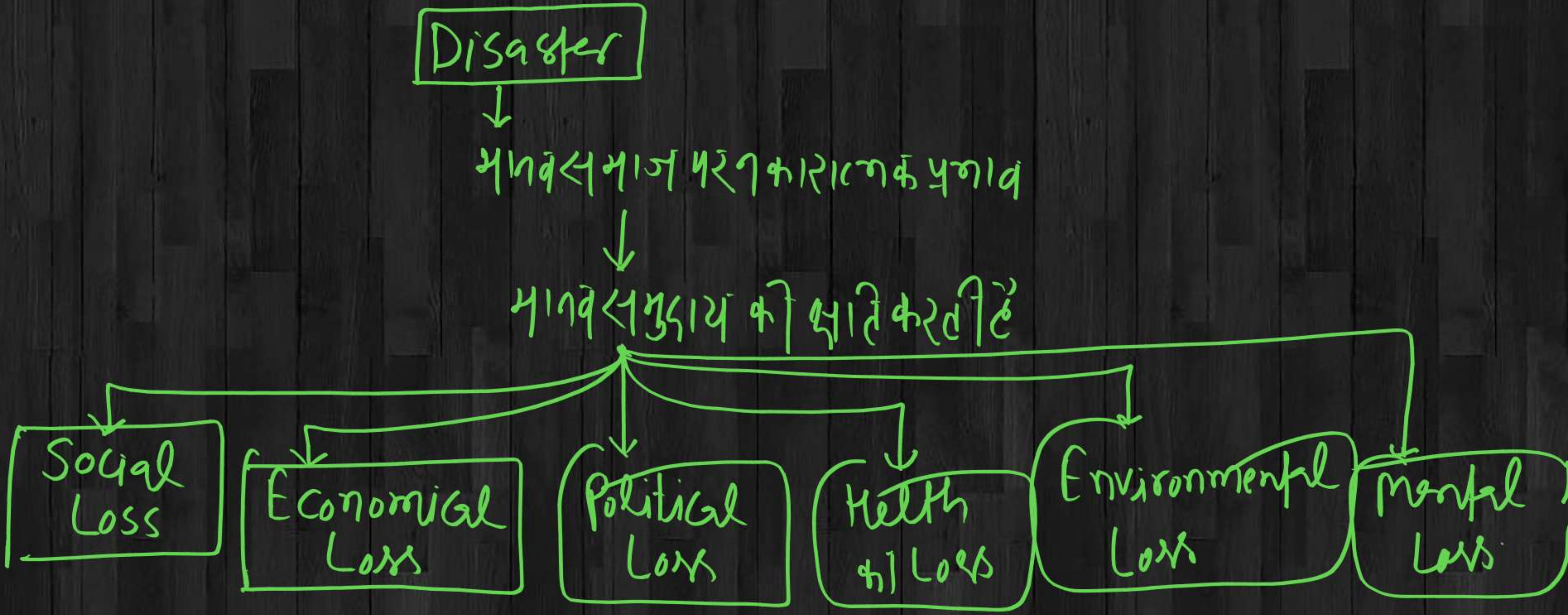
Disaster
मानव समाज पर नकारात्मक प्रभाव
मानव समुदाय को क्षति करती है
Social Loss
Economical Loss
Political Loss
Helth की Loss
Environmental Loss
Mental Loss

Disaster | आपदा

Natural | प्राकृतिक

- → भूकंप, ज्वालामुखी, बाढ़, सुनामी
- → इनको नियंत्रित करना संभव नहीं हो.
- → प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न | Due to Natural Cause.
- → इनकी तीव्रता/प्रचण्डता ↑
- → इनका प्रभाव अधिक व्यापक
- → वृहत क्षेत्रों

मानव निर्मित | Man Made.

- → परमाणु बम का विस्फोट
- → युद्ध.
- → नियंत्रित किया जा सकता है.
- मानवीय कारणों से उत्पन्न
- अपेक्षाकृत कम होती है
- अपेक्षाकृत कम प्रभाव
- अपेक्षाकृत छोटे प्रदेश

Natural VS Man-made disasters

Comparison Chart

Natural Disaster	Man-made Disaster
Uncontrollable, natural causes and take place regardless of human influence	Human activity the direct cause
Cause extensive damage and losses	Both intentional or unintentional causes have devastating effects and losses
Preparation and damage control may minimize the effects	Prevention, vigilance, and planning may avoid it
Can be impacted by human activity	Can be amplified by natural forces
Discernible natural causes and contributing hazard events	Come in various forms and often from an obscure origin

भारत में आपदा प्रबंधन की प्रवृत्ति →

भारत में → DM

NDMA
SDMA
DDMA

कमजोर/मजबूत

Effectiveness of Disaster Management in India

- चेतावनी प्रणाली Early Warning System
- सहयोग Coordination
  - NDMA ↔ SDMA ↔ DDMA
  - National Disaster Management Authority
  - State Disaster Management Authority
  - District Disaster Management Authority
- सामुदायिक प्रबंधन → Community Based Disaster Management
- Local Authority
- Infrastructure — अवसंरचना → मजबूत
  - Road
  - Railway
  - Highway
- Role of Media — सकारात्मक → जागरूकता
- Role of Technology

- चुनौतियां
  - Last Mile Connectivity
  - Door to Door Connectivity
  - Lack of Awareness
  - Climate Change
  - Poor Urban Planning
  - Slums

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING